

नायडू व मुख्यमंत्री ने किया रायपुर हवाई सेवा का शुभारंभ

रीवा एयरपोर्ट ने विन्ध्य को विकास की उड़ान दी : डॉ. के राममोहन, डबल इंजन सरकार ने विकास को नया आयाम दिया : डॉ. मोहन

नवभारत न्यूज
रीवा, 17 मार्च, विन्ध्य क्षेत्र को आज विकास की नई सौगात मिली। रीवा एयरपोर्ट से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लिए सीधी विमान सेवा शुरू हुई, एलायंस एयरवेज समाह में तीन दिन रीवा से रायपुर और रायपुर से रीवा के लिए 72 सीटर प्लेन की सुविधा शुरू की। रीवा एयरपोर्ट में आयोजित समारोह में हवाई सेवा का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह में शामिल हुए, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से



दिल्ली से शामिल होकर केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. के राममोहन नायडू ने हवाई सेवा का शुभारंभ किया। रीवा में आयोजित कार्यक्रम में उप

मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र तथा अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि रीवा से

रायपुर की वायु सेवा प्रारंभ हो जाने से हम अपने घर से ही जुड़ रहे हैं। रायपुर के लिए सड़क मार्ग व रेल मार्ग की सुविधा थी लेकिन हवाई मार्ग से जुड़ना एक बड़ी

उपलब्धि है। कार्यक्रम को जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने भी संबोधित किया। दिल्ली से नागर विमान मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने भी विमान सेवाओं के

विस्तार की जानकारी दी। समारोह में केन्द्रीय मंत्री तथा उप मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से हरी झण्डी दिखाकर विमान सेवा का शुभारंभ किया। समारोह में रायपुर जाने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए गए, उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल भी रीवा से रायपुर जाने वाली प्रथम हवाई सेवा के यात्री बनें। समारोह में लोक गायिका राखी द्विवेदी ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, एलायंस एयरवेज के सीओ राजर्षि सेन, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जंगल से भटक कर एक बार फिर मऊगंज पहुंचा हाथी का जोड़ा

नवभारत न्यूज
रीवा, 17 मार्च, जंगल से भटक हुए दो हाथी लगातार विन्ध्य क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं। सीधी, सतना के बाद अब एक बार फिर मऊगंज की तरह पहुंच गये हैं। भटक के दो हाथियों का दल एक बार फिर मऊगंज जिले में आज तड़के 4 बजे दस्तक दे दिया है। यहां मऊगंज थाना क्षेत्र के सलेहा ग्राम पंचायत अंतर्गत छुहिया में ग्रामीणों ने दोनों हाथियों के जोड़ों को देखा इसके बाद सूचना वन अमले को दी।

हाथियों के मऊगंज पहुंचने की जानकारी लगते ही वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। छुहिया गांव के ग्रामीणों ने बताया कि आज तड़के

4 बजे दोनों हाथियों के जोड़े गांव में पहुंचे हैं हालांकि अब तक किसी भी प्रकार के जान हानी की सूचना नहीं है पर हाथियों के इन जोड़ों द्वारा फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। वहीं वन अमले द्वारा दोनों हाथियों की घेराबंदी कर उन्हें जंगल के रास्ते ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। बीते एक पखवाड़े से यह दोनों हाथी के जोड़े जंगल से भटक कर सीधी और रीवा जिले के रास्ते मऊगंज पहुंचे थे जहां से कुछ दिनों पूर्व यह वापस चले गए थे और बीती रात्रि इनका डेरा रीवा जिले के गुठ अंतर्गत करियाझार के जंगलों में था लेकिन आज तड़के तकरीबन 4 बजे हाथी के जोड़े एक बार फिर मऊगंज जिले के छुहिया गांव पहुंच गए हैं जहां वन हमला तैनात है।

पिड़रवाह के जंगल में मिला महिला का सड़ा-गला शव

तीन-चार दिन पूर्व की है शव, हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

नवभारत न्यूज
सिंगरौली 17 मार्च। चितरवाई कला घाटी सीमा के बरगवां थाना अंतर्गत पिड़रवाह जंगल में आज दिन मंगलवार को एक करीब 30 वर्षीय महिला का सड़ा-गला शव मिलने से सप्तसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही बरगवां की साथ-साथ खुतरा चौकी पुलिस पहुंच शव का पंचनामा लेकर शिनाख्त कराने में लग गई है। वहीं प्रथम दृष्टिया में हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार पिड़रवाह घाटी के पास से गुजर



रहे कुछ ग्रामीणों को इलाके में असामान्य बदबू महसूस हुई। जब उन्होंने आसपास खोजबीन की, तो झाड़ियों के बीच महिला का शव पड़ा मिला। शव पूरी तरह सड़ चुका था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह कई दिनों

पुराना हो सकता है। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर बरगवां पहुंची पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लिया और प्रारंभिक जांच शुरू की। घटना स्थल पर एक झोला मिला, जिसमें कुछ कागजात थे।

कागजात में साहिरा खातून उम्र 30 वर्ष पिता जहल्लूद्दीन निवासी तेलदह के रूप में लिखा मिला है। हालांकि पुलिस अभी पुष्टि नहीं कर रही है। इधर पुलिस ने भी आशंका जताई है कि महिला की हत्या हो सकती है। फिलहाल पुलिस शव को शिनाख्त कराने के साथ-साथ मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हैरानी की बात है कि अभी तक कहीं किसी भी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने की बात सामने नहीं आई है। टीआई बरगवां मो. समीर के अनुसार शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल एवं स्पष्ट तौर पर शिनाख्त कराई जा रही है।



बेकाबू ट्रेलर वाहन पुल में घुसा, हादसा टला

सिंगरौली 17 मार्च। मोरवा थाना क्षेत्र के गोरबी मार्ग में आज दिन मंगलवार को एक बेकाबू ट्रेलर वाहन परेवानाला के समीप नाली में घुस गया। जहां बड़ा हादसा टल गया। बताया जाता है कि कोल वाहन ट्रेलर बेकाबू गति से था। जिसके चलते चालक नियंत्रण खो दिया था। गनमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

कलेक्टर की जनसुनवाई में सास-बहू का विवाद, हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा

नवभारत न्यूज
सिंगरौली 17 मार्च। जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में आज दिन मंगलवार को सास-बहू के पारिवारिक विवाद ने उस समय नाटकीय मोड़ ले लिया, जब जनसुनवाई के दौरान एक महिला ने अचानक बेहोश होने का नाटक कर हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। घटना से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया

और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार थाना बैदून के सेमरिया निवासी रैमून साह और उनकी बहू सुमित्रा सिंह के बीच जलबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा है। दोनों पक्ष अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचे थे। इसी दौरान सास रैमून साह ने अचानक जमीन पर गिरकर बेहोशी का नाटक किया, जिससे वहां



मौजूद अधिकारी व कर्मचारी भी चौंक गए। मौके पर मौजूद तहसीलदार प्रीति सिकरवार ने तत्परता दिखाते हुए महिला को समझाझा दी और एहतियातन ट्रामा सेंटर के लिए भेजा। हालांकि कुछ देर

बाद ही रैमून साह वापस कलेक्ट्रेट पहुंच गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि उनकी हालत सामान्य थी। विवाद को लेकर सास का आरोप है कि उसका बेटा उसे परेशान करता है, इसलिए उसे जेल भेजा जाए। वहीं बहू सुमित्रा सिंह का कहना है कि उसने अपने पति प्राण कुमार शाह के साथ प्रेम विवाद किया है, जिसे सास स्वीकार नहीं कर रही हैं। बहू के मुताबिक सास चाहती हैं कि उसका पति उसे छोड़ दे, जबकि

दोनों साथ रहना चाहते हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि सास ने उन्हें घर से निकाल दिया था, जिससे उन्हें पेड़ के नीचे रहने तक की नौबत आ गई थी। इतना ही नहीं, उसके पति को पहले भी जेल भिजवाया जा चुका है। तहसीलदार प्रीति सिकरवार ने दोनों पक्षों को समझाझा देते हुए आपसी सुलह से विवाद सुलझाने की सलाह दी है। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।



छुही खदान धंसने से महिला की मौत, एक गंभीर घायल

चितरंगी के वैरदह गांव में हादसा, सुरंग में फंसी थी दो महिलाएं

नवभारत न्यूज
चितरंगी 17 मार्च। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत वैरदह गांव में सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां छुही निकालने के दौरान खदान की सुरंग धंस गई। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो चुकी है, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे खजुरिया टोला निवासी सुनीता शाह उम्र 32 पत्नी विश्राम शाह और सुनीता साह उम्र 34 पत्नी दादू लाल शाह वैरदह नाला के समीप स्थित एक सुरंगनुमा खदान में छुही निकालने का कार्य लंबे समय से जारी है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे खतरनाक स्थलों पर रोक लगाने की मांग की है।

तत्काल मदद के लिए पहुंचे। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद मलबे को हटाकर दोनों महिलाओं को बाहर निकाला, लेकिन तब तक सुनीता शाह की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं गंभीर रूप से घायल सुनीता साह को तत्काल चितरंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा सुनीता शाह के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में इस तरह की असुरक्षित खदानों में छुही निकालने का कार्य लंबे समय से जारी है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे खतरनाक स्थलों पर रोक लगाने की मांग की है।

मदद के बहाने लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नवभारत न्यूज
सीधी, 17 मार्च. कमर्सी थाना पुलिस ने 7मदद के बहाने लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार फरियादी गोविंद जायसवाल निवासी ग्राम बधऊ ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 21 जनवरी 2026 को आरोपियों ने मोटरसाइकिल खराब



होने का झांसा देकर उसे भितरी चिल्ली रोड पर बुलाया। वहां पहुंचने पर आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट कर उसका ओपेो मोबाइल,

3000 रुपये नगद और मैकेनिक टूल्स रिच, पाना, प्लास लूट लिए। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पूर्व में चार

आरोपियों नौरेन्द्र प्रजापति, जगदीश प्रजापति एवं दो किशोर को गिरफ्तार कर उनके पास से लूट गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की थी। इसी क्रम में मामले के शेष फरार आरोपी शिवम कुशवाहा एवं शुभम कुशवाहा को दिनांक 16 मार्च 2026 को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी शिवम के पास से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल टीन्हीएस अपाचे भी जब्त की गई है।

अस्थि खंड शामिल हैं। इन दांतों में एनामल प्लेट, डेंटिन तथा घिसाव से उत्पन्न विशिष्ट संरचनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, जो प्रारंभिक रूप से हाथी प्रालू (प्रोबोसिडियन) से संबंधित प्राचीन जीवों की ओर संकेत करती हैं। इस प्रकार के दांत मामान्यतः बड़े शाकाहारी जीवों में पाए जाते हैं जो कठोर वनस्पति को पीसकर खाने के लिए अनुकूलित होते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ अस्थि खंड भी प्राप्त हुए हैं।

अस्थि खंड शामिल हैं। इन दांतों में एनामल प्लेट, डेंटिन तथा घिसाव से उत्पन्न विशिष्ट संरचनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, जो प्रारंभिक रूप से हाथी प्रालू (प्रोबोसिडियन) से संबंधित प्राचीन जीवों की ओर संकेत करती हैं। इस प्रकार के दांत मामान्यतः बड़े शाकाहारी जीवों में पाए जाते हैं जो कठोर वनस्पति को पीसकर खाने के लिए अनुकूलित होते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ अस्थि खंड भी प्राप्त हुए हैं।

अतरैला पहाड़ी में मिले जीवाश्म ने विन्ध्य के प्रागैतिहासिक होने के संकेत दिए

नवभारत न्यूज
सतना, 17 मार्च. सीधी जिले के सिहावल विकासखंड के अंतर्गत ग्राम कोरौली कला के पास स्थित अतरैया पहाड़ी क्षेत्र में हाल ही में प्राप्त संदिग्ध जीवाश्म अवशेषों के संबंध में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सप्लोरेशन, शासकीय स्वशासी नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना की एक वैज्ञानिक टीम द्वारा स्थल का प्रारंभिक सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण स्थानीय स्तर पर प्राप्त



जानकारी और समाचार माध्यमों में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर किया गया, जिनमें पहाड़ी क्षेत्र में बड़े आकार की अस्थियों और दांतों जैसे अवशेषों के मिलने का उल्लेख किया गया था। यह जानकारी टीम के सदस्यों

डा. एस के राय, डा. हर्षित सोनी, डा. ऋषभ देव साकेत और धीरेन्द्र शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा में दी। इस वैज्ञानिक दल का नेतृत्व प्राणीशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हर्षित कुमार सोनी ने किया। टीम में डॉ. ऋषभ देव

साकेत तथा परामर्शदाता पुरातत्वविद् डॉ. धीरेन्द्र शर्मा भी शामिल थे। टीम ने स्थल पर पहुंचकर उपलब्ध अवशेषों का निरीक्षण किया, उनका प्रारंभिक प्रलेखन किया तथा स्थल को भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कई प्रकार के जीवाश्मीय अवशेषों की पहचान की गई। इनमें विशेष रूप से बड़े आकार के शाकाहारी स्तनधारी जीवों के दांतों के टुकड़े और कुछ

अस्थि खंड शामिल हैं। इन दांतों में एनामल प्लेट, डेंटिन तथा घिसाव से उत्पन्न विशिष्ट संरचनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, जो प्रारंभिक रूप से हाथी प्रालू (प्रोबोसिडियन) से संबंधित प्राचीन जीवों की ओर संकेत करती हैं। इस प्रकार के दांत मामान्यतः बड़े शाकाहारी जीवों में पाए जाते हैं जो कठोर वनस्पति को पीसकर खाने के लिए अनुकूलित होते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ अस्थि खंड भी प्राप्त हुए हैं।